पुरुलिया छऊ

हाल ही में केरल के कोझिकोड में **पुरुलिया छऊ,** एक लोक नृत्य, प्रस्तुत किया गया था।

- **छऊ** आदिवासी और लोक मूल के समन्वय वाला पूर्वी भारत का एक अर्ध-शास्त्रीय नृत्य रूप है। इसके प्रदर्शन में कलाबाज़ी से लेकर **मार्शल-आर्ट** तक शामिल होते हैं और इसमें ऐसे नृत्य भी शामिल होते हैं जो धार्मिक विषयों के आधार पर संरचित होते हैं।
- पुरुलिया छऊ नाम बंगाल के **पुरुलिया ज़िले** से आया है जो छऊ का गढ़ है। **यह छऊ नृत्य की तीन अलग-अलग शैलियों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है**, अन्य दो **झारखंड से सरायकेला छऊ** और **ओडिशा से मयूरभंज छऊ** हैं।.
    - वेशभूषा विभिन्न शैलियों के बीच अलग-अलग होती है, पुरुलिया और सेराकेला पात्रों की पहचान करने के लिये मुखौटे का उपयोग करते हैं।
- इसे 2010 में यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया था।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/purulia-chhau